उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण
(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)
वन भवन, 85 राजपुर रोड़, देहरादून, दूरभाष / फैक्स : 0135–2744077
Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक– 1045 / 3–3(5) / 2021–22 दिनांक, 15 फरवरी, 2022

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
नैनीताल वन प्रभाग,
नैनीताल।

विषय :– वर्ष 2021–22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।
संदर्भ:– आपका पत्रांक 2143 / 7–1 दिनांक 27 / 01 / 2022।

महोदय,

उपरोक्त विषय एवं संदर्भित पत्र के कम में उत्तराखण्ड कैम्पा की वर्ष 2021–22 की स्वीकृत वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत क्षतिपूरक वनीकरण मद में 90.00 हे0 अग्रिम मृदा कार्य हेतु रू0 76.14 लाख तथा चंपावत वन प्रभाग की पत्र संख्या 1920 / 3–19 दिनांक 13.01.2022 से प्राप्त अनुरोध के कम में जनपद नैनीताल के अंतर्गत ओखलकाण्डा विकास खण्ड में ढोलीगांव से केड़ागांव तक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 6.277 हे0 वन भूमि का गैर वानिकी कार्यों हेतु ग्राम्य विकास विभाग को प्रत्यावर्तन के सापेक्ष क्षतिपूरक वनीकरण कार्य ग्राम गल्ला, पट्टी सतबुंगा, तहसील–नैनीताल, जनपद नैनीताल जो कि नैनीताल वन प्रभाग के कार्यक्षेत्र के अधीन होने के कारण चंपावत वन प्रभाग द्वारा 13.455 हे0 अग्रिम मृदा कार्य हेतु आवंटित रू0 10.20 लाख की धनराशि के समर्पण के फलस्वरूप, उक्त धनराशि को नैनीताल वन प्रभाग के लक्ष्यों में सम्मिलित करते हुए, कुल **103.45 हे0** (90.00+13.45 हे0) **क्षतिपूरक वनीकरण–अग्रिम मृदा कार्य** हेतु **रू0 86.34 लाख** (रू0 76.14+10.20 लाख) की धनराशि अवमुक्त की गई है।

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। तद्नुसार उपरोक्तानुसार अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:–

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित *'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम–2016'* के अंतर्गत निर्गत *'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018'* में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के कियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना / प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय–समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों / गतिविधियों में कदापि न किया जाय। संबंधित मद में अवमुक्त धनराशि से विचलन एवं क्रियान्वयन में भिन्नता की स्थिति में संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी उत्तरदायी होंगे।
3. प्रभागीय वनाधिकारी के नियंत्रक अधिकारी वन संरक्षक व मुख्य वन संरक्षक नियमित रूप से संपादित कार्यो का नियमानुसार स्थलीय निरीक्षक सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अधीनस्थ वन प्रभागों के क्रियान्वयन मे भिन्नता अथवा विचलन की स्थिति में नियंत्रक अधिकारी का भी उत्तरदायित्व होगा।
4. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यो हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
5. जिन कार्यो के संपादन हेतु डी0पी0आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी0पी0आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी0पी0आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
6. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
7. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे–छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
8. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
9. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम / प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय

अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।

10. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
11. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगें।
12. उपरोक्त कार्यो को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
13. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
14. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड–1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड–5 (लेखा नियम) भाग–1 एवं खण्ड–7 (वन लेखा नियम) आय–व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रॅक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
15. **कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।**
16. **उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा–निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।**
17. उक्त कार्यो को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
18. प्रस्तावित कार्यो का विधिवत Documentation किया जाए।
19. **कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।**
20. **वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यो को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन–समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थनीय जनमानस, युवाओं, छात्र–छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।**
21. सम्पादित कार्यो को अनिवार्य रूप से ई–ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
22. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
23. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
24. कार्यो का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
25. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम0आई0एस0 में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यो के यथासम्भव फोटो भी एम0आई0एस0 में अपलोड किए जाएं।
26. **सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम0आई0एस0 में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।**

भवदीय,

16/2/22

(जे0 एस0 सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांकः– 1045 /3–3(5)/2021–22 दिनांकित

प्रतिलिपि :–

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष–कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊं वृत्त, उत्तराखण्ड, नैनीताल को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. प्रभागीय वनाधिकारी, चंपावत वन प्रभाग, चंपावत को उनके पत्रांक 1920/3–19 दिनांक 13.01.2022 के कम में सूचनार्थ प्रेषित।

16/2/22

(जे0 एस0 सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा